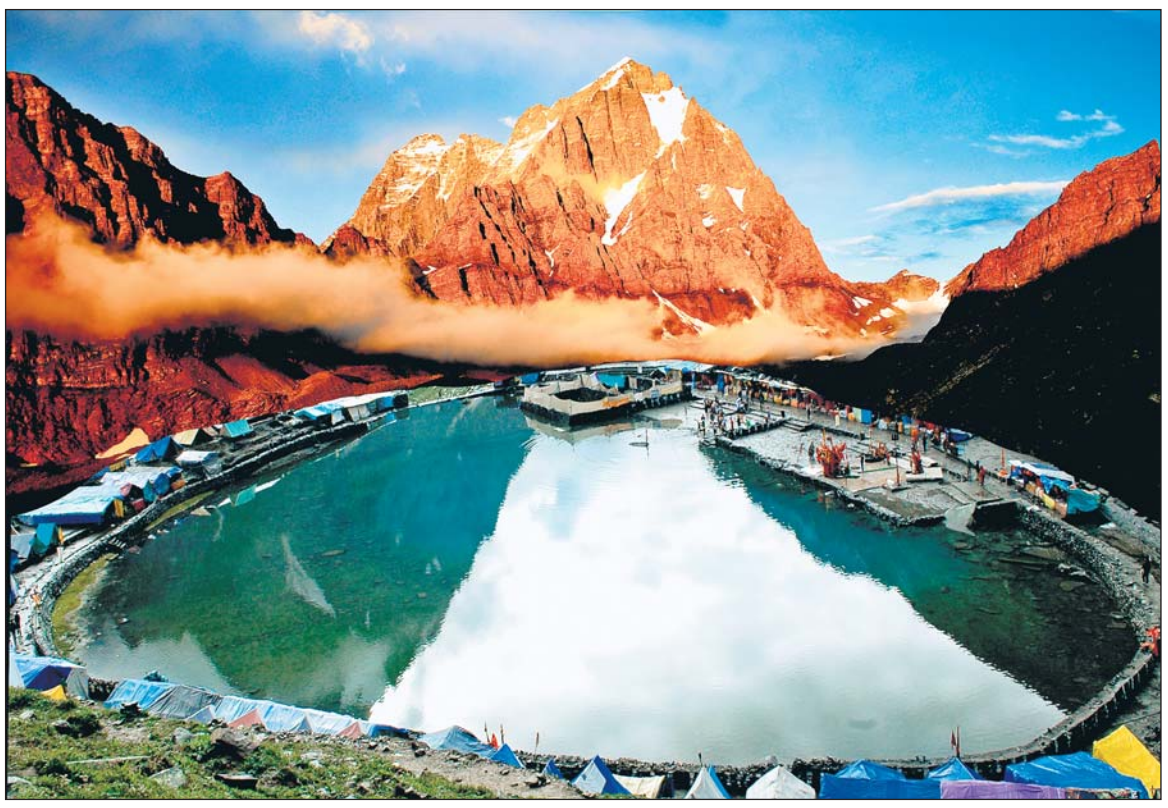

हिमालय प्रदेश में चम्बा जिले की भरमौर तहसील में बुधिल घाटी की तलहटी में स्थित है खूबसूरत मणिमहेश झील। पूर्व दिशा में इसका जलग्रहण क्षेत्र कांगड़ा जिले को और पश्चिम दिशा में लाहौल स्पीती को छूता है। यह क्षेत्र धौलाधर और ज़स्कर पर्वत श्रृंखला के बीच में है। इस अण्डाकार झील में आसपास के ग्लेशियर्स से पानी आता है। सितम्बर तथा मई महीनों के बीच बर्फ गिरने के कारण यहाँ पहुँचना मुश्किल होता है। मणिमहेश कैलाश चोटी (5656 मीटर), जिसे चम्बा पीक भी कहते हैं, के बेस में स्थित यह झील भगवान शिव को समर्पित है। हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार मणिमहेश चोटी पर भगवान शिव वास है। अगस्त-सितम्बर महीनों में, चंबा के लक्ष्मीनारायण मंदिर से, प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा शुरू होती है। हर साल मानसून के महीनों में, जन्माष्टमी से राधा-अष्टमी तक, लाखों तीर्थ यात्री पवित्र स्नान के लिए यहाँ आते हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग झील को बहुत पवित्र मानते हैं, विशेषरूप से इस क्षेत्र की गद्दी जनजाति। भाद्रपद मास में शुक्ल पक्ष की अष्टमी को यहाँ मेला भरता है जिसमें हज़ारों की संख्या में लोग आते हैं। झील को लेकर कई किंवदन्तियाँ हैं। एक किंवदंती के अनुसार देवी पार्वती से विवाह के बाद भगवान शिव ने मणिमहेश झील का निर्माण किया।

भारत में पहली बार सेमीकण्डक्टर एवं डिजिटल चिप निर्माण इण्डस्ट्री शुरु होगी

केन्द्र सरकार के अनुसार भारत में जॉइंट वैंचर शुरु करने के लिए कई देशी एवं विदेशी कंपनियों ने आवेदन प्रस्तुत किया है

- **गौरतलब है कि, भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय इण्डस्ट्री बीते डेढ़-दो साल से सेमीकण्डक्टर एवं डिजिटल चिप शॉर्टेज का सामना कर रही है**
- **सेमीकण्डक्टर व डिजिटल चिप शॉर्टेज की वजह से ऑटोमोबाइल इण्डस्ट्री द्वारा बहुत बड़े पैमाने पर कारों का निर्माण बाधित हुआ है या यूं कहें कि लगभग रुक सा गया है।**

नई दिल्ली,19 जनवरी (वार्ता)। देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले के विनिर्माण की नई सुविधाएं स्थापित करने के लिए सरकार को पांच प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिनमें कुल 20.5 अरब डॉलर (153,750 करोड़ रुपए) के बराबर निवेश की योजना है।

इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा, इस नए क्षेत्र में आवेदन प्रस्तुत करने के लिए आक्रामक समय सीमा के बावजूद इस स्कीम को अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। इस क्षेत्र में निवेश के लिए पहले दौर के आवेदन 15 फरवरी तक आमंत्रित किए गए थे।

तीन कंपनियों वेदांता-फौक्सकॉन संयुक्त उद्यम, आई.जी.एस.एस. वेंचर्स सिंगापुर और आई.एस.एम.सी. ने सेमीकंडक्ट फैब इकाई स्थापित करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कुल 13.6 अरब डॉलर के अनुमानित निवेश के साथ 28 एन.एम. से 65 एन.एम. सेमीकंडक्टर फैब बनाने की सुविधाएं लगाने का प्रस्ताव किया है जिनकी क्षमता लगभग 120,000 वेफर प्रति माह होगी। उनकी केंद्र सरकार से लगभग 5.6 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता की मांग है।

इसी तरह दो कंपनियों-वेदांता एवं इलेस्ट ने 6.7 अरब डॉलर के अनुमानित निवेश के साथ डिस्प्ले फैब के लिए आवेदन प्रस्तुत किए हैं जिनमें केंद्र सरकार से लगभग 2.7 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मांगी जा रही है।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ाने एवं विस्तारित करने तथा एक मजबूत एवं टिकाऊ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण परितंत्र का विकास सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 15 फरवरी 2021 को 76,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम को मंजूरी दी थी।

स्मार्टफोन तथा क्लाउड सर्वर से लेकर आधुनिक कारों,औद्योगिक आटोमेशन, महत्वपूर्ण अवसंरचना तथा प्रतिरक्षा प्रणाली तक के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल होता है। अनुमान के मुताबिक भारतीय सेमीकंडक्टर बाजार 2020 में 15 अरब डॉलर का था और इसके 2026 तक 63 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर विनिर्माण, सेमीकंडक्टर वेफर बनाने की एक जटिल, पूंजीगत तथा प्रौद्योगिकी केंद्रित प्रक्रिया है।

डिस्प्ले इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के डिस्प्ले पैनल बाजार के 7 अरब डॉलर होने का अनुमान है तथा इसके 2025 तक बढ़कर 15 अरब डॉलर हो जाने की उम्मीद है। भारत में डिस्प्ले फैब की स्थापना के लिए स्कीम के तहत, अत्याधुनिक एमोलेड डिस्प्ले पैनल जिनका उपयोग आधुनिक स्मार्ट फोनों में किया जाता है, के विनिर्माण के लिए जेन 8.6 टी.एफ.टी. एल.सी.डी. डिस्प्ले फैब तथा छठी जनरेशन डिस्प्ले फैब की स्थापना के लिए आवेदन दायर किए गए हैं।

पुराने ट्रक व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर चलने वाले वाहन जब्त कर लिये जायेंगे तथा उनके मालिकों पर भारी जुर्माना किया जायेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस सम्बन्ध में 2 फरवरी को सम्बन्धित ड्राफ्त की गजट अधिसूचना जारी की है तथा आम जनता से आपत्तियाँ एवं सुझाव आमंत्रित किये हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि नये नियम पर्यावरण संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा के लिये लागू किये जाने हैं।

- **नये कायदे-कानून के अनुसार आठ साल से ज्यादा पुराने ट्रकों व बसों को हर साल फिटनेस सर्टिफिकेट लेना होगा, सरकार द्वारा अधिकृत "फिटनेस स्टेशनों" से।**

जब आप अपने वाहन को फिटनेस के लिये ले जायेंगे तो फिटनेस स्टेशन वाहन का रजिस्ट्रेशन नम्बर तथा उसके मालिक का नाम, पता तथा मोबाइल नम्बर दर्ज करेगा तथा उसे सेन्ट्रल डेटा सेन्टर पर अपलोड कर देगा, जिससे वह सरकार के रिकॉर्ड का हिस्सा बन सकें तथा सरकार उसके आधार पर सही समय पर फिटनेस सर्टिफिकेट के पुन:नवीनीकरण के लिये आपके पास "अलर्ट मैसेज" भेज सकें।

गत चार महीनों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इलैक्ट्रिक कार व स्कूटर के इस्तेमाल हेतु प्रेरित करने के लिए दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, पुणे, सूरत, अहमदाबाद, बैंगलुरू और हैदराबाद में इलैक्ट्रिक वीकल चार्जिंग स्टेशन खोलने की पहल की गई है।

इन नौ शहरों में 940 ई.वी. चार्जर्स होंगे, जिनमें 678 वे हैं जिन्हें अक्टूबर 2021 के बाद चार महीनों में स्थापित किया गया है। ये उन 1640 क्रियाशील सरकारी ई.वी. चार्जिंग स्टेशनों में है जिन्हें पूरे भारत में स्थापित किया गया है।

इन मेगा सिटीज में ई.वी. इन्फ्रारटट्रन्चर का पूर्ण गठन करने के बाद सरकार की योजना पर वृहद रूप से इनका अन्य शहरों में विस्तार करने की है।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि "सरकार ने प्रमुख शहरों और हाइवेज पर 22 हजार ई.वी. चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का कार्य भी इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कम्पनियों जैसे टीजेई जोगजैस्ट 10,000 को सौंपा है। भारत में इलैक्ट्रिक वाहनों की खरीद के प्रति उदासीन रवैये का एक प्रमुख कारण चार्जिंग के लिए पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर की अनुपलब्धता रही है।"

मुख्यमंत्री ने 15 से ज्यादा अधिकारियों को नियुक्तियां दे दीं, अब मुख्यमंत्री के सलाहकार कह रहे हैं अधिकारियों को तवज्जो देना ठीक नहीं

कांग्रेस के बंद अधिवेशन में डॉ. राजकुमार शर्मा ने कहा, सरकार कार्यकर्ताओं की वजह से आती है, अधिकारियों की वजह से नहीं

- **मंत्री गोविंद मेघवाल बोले-अधिकारियों को टिकट नहीं देना चाहिए।**
- **पीसीसी अध्यक्ष बोले-जो सामने बैठे हैं, उनकी वजह से सरकार बनती है। बाहर आकर कार्यकर्ता बोले-यह भी बताना चाहिए कि सरकार जाती किसकी वजह से है।**
- **प्रभारी अजय माकन नहीं आए, मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ही अधिवेशन छोड़कर जाते रहे मंत्री- विधायक।**

जयपुर, 19 फरवरी (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार कैसे रिपीट हो, इस बात को लेकर जयपुर में प्रदेश कांग्रेस का खुला अधिवेशन रखा गया था, लेकिन अधिवेशन शुरू होने के साथ ही बंद हो गया। यानी कि जो बातें खुले में होनी थी, वे बंद हॉल में शुरू हुई, जहां मीडिया की एंट्री नहीं दी गई। हालांकि जो भी बातें हुई वह सब मीडिया तक कांग्रेसजनों के द्वारा ही पहुंच गईं। इस अधिवेशन की सबसे खास बात यह रही कि सरकार रिपीट करवाने के सुझाव तो कम आए,बल्कि जो नेता सरकार के हिस्सेदार हैं या भागीदार है,वह अपनी कमजोरियों को लेकर अपना दर्द बांटते रहे।स्पष्ट हो गया कि जब सत्ता में भागीदार नेताओं की स्थिति ऐसी है, तो आम कांग्रेसजन की स्थिति कितनी कमजोर होगी।

अधिवेशन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार डॉ. राजकुमार शर्मा ने अधिकारियों को तवज्जो देने पर उंगली उठाई और कहा कि सत्ता कार्यकर्ताओं की वजह से आती है, अधिकारियों की वजह से नहीं। चूंकि डॉ. राजकुमार शर्मा मुख्यमंत्री के सलाहकार हैं, इसलिए उनकी बात काफी गंभीर है और गंभीर इसलिए भी है कि हाल ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से अपने सलाहकार बनाने और अन्य राजनीतिक नियुक्तियों में करीब डेढ़ दर्जन रिटायर्ड आईपीएस/आईएएस अधिकारियों को नवाजा गया है। डॉ. राजकुमार शर्मा ने यह भी कहा कि मंत्रियों को ध्यान रखना चाहिए कि कार्यकर्ताओं के भी निजी काम होते हैं। ऐसे में उनका ध्यान रखना भी जरूरी है। शर्मा ने राजस्थान के राजनीतिक उठापटक के समय की फिर याद दिलाते हुए कहा कि "हमें पता है कि उस वक्त कितना प्रलोभन दिया गया था, लेकिन कोई विधायक छोड़कर नहीं गया। इतना प्रलोभन दिया जाए, तो पति पत्नी को पत्नी पति को छोड़कर चले जाएं।"

इसी बात से अपनी बात मिलाते हुए मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने भी अधिकारियों के खिलाफ बोला और कहा कि "अधिकारी पहले तो नौकरी करते हैं फिर राजनीतिक पार्टी ज्वाइन करके टिकट ले लेते हैं, जबकि अधिकारियों को टिकट नहीं देना चाहिए।" उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में बीकानेर से मदन मेघवाल को कांग्रेस ने टिकट दिया था,जो रिटायर्ड अधिकारी है। वहीं कांग्रेस के खिलाफ बस्सी से चुनाव लड़कर जीते रिटायर्ड अधिकारी लक्ष्मण मीणा को भी राजनीतिक नियुक्तियों में नवाजा गया है। इसी तरह पूर्व पुलिस महानिदेशक हरीश मीणा भी कांग्रेस का टिकट लेकर विधायक बने हैं। अधिकारियों के खिलाफ अन्य नेताओं का भी दर्द निकल कर सामने आया। इसके बाद खुद कांग्रेस के कार्यकर्ता ही यह कहते नजर आए कि "जब इन बड़े नेताओं को ही अधिकारी तवज्जो नहीं देते, तो फिर हमारी स्थिति क्या है,इस बारे में ज्यादा कहने की जरूरत नहीं है।"

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सामने जो लोग बैठे हैं, सरकार उनकी वजह से आती है, लेकिन उन्होंने यह नहीं कहा कि सरकार जाती किस की वजह से है। यह बात भी बता देते तो बात में दम आता। वही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का एक दर्द ओर उभर कर सामने आया और उन्होंने कहा कि हमारा माउथ मीडिया बहुत कमजोर है और यदि भाजपा का नेता एक ट्वीट करता है तो उसके साथ में 100 ट्वीट हो जाते हैं, लेकिन हमारे यहां माउथ मीडिया को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि रीट मामले को लेकर जब भाजपा नेता गोविंद सिंह डोटासरा पर हमलावर हुए थे, तब ना तो सत्ता और संगठन के नेताओं ने और ना ही कार्यकर्ताओं ने उनका साथ दिया था। महाराणा प्रताप और अकबर पर दिए गए गोविंद सिंह डोटासरा के बयान को लेकर भी ऐसा ही देखने में आया, जब उन्हें कांग्रेस का ज्यादा साथ नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने खुले मंच से खुद की माउथ मीडिया को कमजोर बताते हुए अपना दर्द बयां कर दिया। हालांकि मंच से मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने महाराणा प्रताप और अकबर के युद्ध को लेकर यह जरूर कहा कि यह युद्ध स्वाभिमान के लिए लड़ा गया था और भाजपा इसे धार्मिक रंग देना चाहती है।

इस अधिवेशन में प्रदेश के प्रभारी महासचिव अजय माकन नहीं आए उन्होंने सिर्फ विजुअल भाषण देकर औपचारिकता निभाई। कहा जा रहा है कि राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर अजय माकन, जिन लोगों को मौका देना चाहते थे,उन्हें मौका नहीं दिया गया। ऐसे में वे सहज नहीं है और यही उनके नहीं आने का कारण है। हालांकि इस बात पर खुलकर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अधिवेशन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी के बावजूद मंत्री और विधायकों ने रुचि नहीं दिखाई और जो मंत्री-विधायक या हाल ही बोर्ड-निगमों के बने अध्यक्ष बने लोग भी मुख्यमंत्री की मौजूदगी के बावजूद कार्यक्रम में आने की औपचारिकता निभा कर वापस चले गए। वही एक महत्वपूर्ण बात यह भी रही कि जिस अधिवेशन को खुला अधिवेशन कहा जा रहा था, उसमें मंच से सिर्फ उन्हीं लोगों को बोलने का मौका दिया गया जो कि आज से पहले भी सरकार के प्रति सकारात्मक बयान देते रहे हैं।

रूस ने यूक्रेन सीमा पर हाइपरसॉनिक क्रूज मिसाइल्स की टैस्टिंग शुरु की

रूस ने ऐसा करके हमले की संभावना और प्रबल बनाई

कीव/मॉस्को, 19 फरवरी। यूक्रेन को लेकर लगातार जारी तनाव के बीच रूस किसी भी तरह से पीछे हटने को तैयार नहीं है। इसी कड़ी में उसने शनिवार को अपनी अत्याधुनिक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। न्यूज एजेंसी ए.एफ.पी. ने क्रेमलिन के हवाले से इस मामले में जानकारियां दी हैं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जानकारी देते हुए बताया कि बैलिस्टिक मिसाइल का अभ्यास किया जा रहा है।

रूस के इस कदम के बाद यूक्रेन को लेकर मामला और गरमाता जा रहा है। इस समय यूक्रेन की सीमा पर 1.5 लाख के करीब रूसी सेना तैनात है। क्रेमलिन ने अपने बयान में कहा कि सभी हाइपरसोनिक मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को भेदने में सफलता पाई है। अभ्यास ड्रिल में टीयू-95 बॉम्बर्स और सबमरीन्स को भी शामिल किया गया था। चीफ ऑफ जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव ने बताया कि इस ड्रिल का मकसद दुश्मन के खिलाफ हमारी तैयारी को दर्शाता है। इस बयान के बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि रूस इस मसले पर पीछे हटने को तैयार नहीं है और मिसाइलों का परीक्षण उसकी आगे की रणनीति के लिए खुद को तैयार करने के लिए एक बड़ा कदम है। इसी बीच यूक्रेन के एक अलगाववादी नेता ने आक्रमण के बढ़ते डर के बीच सैन्य लामबंदी का आदेश दिया है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, यूक्रेन के लुहान्स्क विद्रोही नेता ने सैन्य लामबंदी की घोषणा की है।

बता दें कि शुक्रवार को एल.पी.आर. और स्व-घोषित डोनेटस्क पीपुल्स रिपब्लिक (डी.पी.आर.) ने संपर्क लाइन पर तनाव बढ़ने पर रूस के रोस्तोव क्षेत्र में अपने नागरिकों को निकालने की घोषणा की थी।

कश्मीर में शनिवार को मुठभेड़ में दो सैनिक शहीद

श्रीनगर, 19 फरवरी (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के दक्षिणी जिले शोपियां में शनिवार को सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में दो सैनिक शहीद हो गये जबकि इस दौरान लश्कर-ए-तैयबा का एक आंतकवादी मारा गया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के चेरमार्ग जैनापोरा गांव में सेना को कुछ आंतकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी और इसके बाद सेना ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) और प्रदेश पुलिस के साथ संयुक्त रूप से इलाके में खोज अभियान शुरू किया। इसी दौरान आंतकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ शुरू हो गयी।आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मुठभेड़ में दो सैनिक घायल हो गए।

केन्द्र सरकार ने कुमार विश्वास को वाई कैटेगिरी की सुरक्षा दी

नई दिल्ली 19 फरवरी (वार्ता)। सरकार ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सनसनीखेज बयान देने वाले कवि और एक समय केजरीवाल के भरोसेमंद साथी रहे कुमार विश्वास को वाई श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार विश्वास को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) द्वारा वाई श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी जिसमें उनके साथ हमेशा चार सुरक्षाकर्मी रहेंगे। यह निर्णय विश्वास द्वारा केजरीवाल पर हाल ही में लगाए गए आरोपों के बाद लिया गया है। विश्वास ने कहा है कि केजरीवाल की पंजाब में खालिस्तानी संगठनों के साथ सांठगांठ है।

विश्वास ने इस निर्णय के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्हें इसके बारे में पता चला है लेकिन अभी सरकार से या सी.आर.पी.एफ. से किसी तरह की जानकारी उन्हें नहीं मिली है।

सूत्रों ने कहा है कि सुरक्षा एजेंसियों को इस तरह की जानकारी मिली है कि विश्वास की जान को इन संगठनों से खतरा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि वह इन आरोपों के बारे में जानकारी लेंगे और किसी को भी देश की एकता तथा अखंडता के साथ खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

शाह ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को दिए जवाब में कहा है कि किसी राजनीतिक दल के लिए राष्ट्र विरोधी अलगाववादी और प्रतिबंधित संगठन से संबंध रखना और चुनाव में उनसे समर्थन लेना देश की एकता और अखंडता के लिए गंभीर मामला है। इस तरह के तत्वों का एजेंडा देश के दुश्मनों से अलग नहीं है।

चन्नी ने इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि यह बेहद गंभीर मामला है और इसकी विस्तार से जांच की जानी चाहिए। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी इन आरोपों को गंभीर बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया की है।

केजरीवाल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह एक ऐसे 'आतंकवादी' हैं जो स्कूल और अस्पताल बनवाते हैं तथा लोगों को मुफ्त बिजली देते हैं।

विदेश में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब भारत में जातीय एवं लैंगिक भेदभाव की तरफ विदेशों का ध्यान गया है तथा पश्चिम में इन बिन्दुओं पर बहस शुरू हो गई है।

कोलकाता के दैनिक द टैलीग्राफ ने आई.आई.एम. बैंगलोर के प्रो. दीपक मल्घन को उद्धत करते हुए लिखा कि "सरकार स्पष्ट रूप से पगला गई है और पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के विद्वानों द्वारा भारत में बहुसंख्यक अधिनायकवाद के बढ़ते प्रवाह को लेकर उठाए जा रहे प्रश्नों से विचलित है।

मंत्रालय ने हाल ही एन.ओ.एस. स्कीम के तहत आगामी 31 मार्च तक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन दिए थे। यह स्कीम उन अभ्यर्थियों के लिए भी है, जिनके परिवार की सालाना आय 8 लाख रूपयों से कम है और वह भी आवेदन करने की तिथि से पूर्व समय की।

प्रशांत किशोर की नीतीश कुमार के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सरकारी आवास पर हुई थी।

नीतीश कुमार ने दिल्ली में पत्रकारों के समक्ष इस डिनर मीटिंग की पुष्टि की, लेकिन यह भी कहा कि उनके और प्रशान्त किशोर के पुराने संबंध हैं तथा इस मीटिंग का कुछ अन्य एवं खास उद्देश्य नहीं समझना चाहिये।

किशोर उर्फ पी.के. ने कहा कि यह एक "शिष्टाचार मुलाकात" थी, जिसमें अनौपचारिक बातचीत होती रहीं। उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार को ओमक्रॉन-संक्रमण हो गया था, तो उन्होंने उनके स्वास्थ्य संबंधी समाचार पूछने के लिये उनको फोन किया था। उन्होंने कहा कि उस समय नीतीश कुमार ने मुझसे मिलने की इच्छा व्यक्त की थी तथा यह मुलाकात कल हो गई।

किशोर ने मीटिंग के किसी भी प्रकार के तत्काल निष्कर्षों संबंधी प्रश्नों को खारिज कर दिया तथा जोर देते हुये कहा कि राजनैतिक रूपसे वे दोनों बिल्कुल भिन्न हैं।

चुनाव रणनीतिकार किशोर, जिनकी रणनीति को ममता बनर्जी की बंगाल की जीत से बड़ी प्रशंसा एवं सम्बल मिला था, 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिये भाजपा, जो नीतीश का मित्र दल है, के विरूद्ध विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयासों में विशेष रूचि ले रहे हैं। किशोर की अब तक की एकमात्र राजनैतिक सम्बद्धता, जो नीतीश के जनता दल यूनाइटेड के साथ-साथ रही थी, में चन्द महीनों में ही खटास आ गई थी तथा आखिरकार वे पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद से हटा दिये गये थे। लेकिन हाल ही के इन्टरव्यूज में किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री के साथ अपने स्नेहपूर्ण संबंध बताये हैं तथा उन्हें उन चन्द लोगों में बताया है, जिनके साथ वे फिर से जुड़ना पसंद करेंगे।

बहुत से लोगों का कहना है कि यह अप्रत्याशित एवं एकाएक हुई मीटिंग किशोर के उस एम.ओ. का हिस्सा है कि हर व्यक्ति इसके बारे में सोचे तथा अनुमान लगाये। उल्लेखनीय है कि यह मीटिंग एक ऐसे समय पर हुई है जब ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के साथ उनके संबंधों तथा निबाह में कुछ असहजता आ रही है।

उनका राजनैतिक परामर्श ग्रुप-आई- पी.ए.सी. जो गत वर्ष के बंगाल चुनावों के वक्त से ही तृणमूल के साथ काम कर रहा है, ममता बनर्जी तथा दिन-पर-दिन महत्वाकांक्षी होते जा रहे उनके भतीजे के बीच चल रही खींचतान के बीच फँस गया था।

यह मीटिंग नीतीश के लिये भी उनके गहरे प्रयोजनों के लिये अनुकूल एवं उपयोगी हैं। मुख्यमंत्री के नजदीकी सूत्रों का कहना है कि नीतीश ने प्रशांत के साथ हुई इस मीटिंग की खबर को सार्वजनिक करने का निर्णय लिया था ताकि भाजपा जो विभिन्न बिन्दुओं पर उनकी खुली आलोचना कर रही है, तक वांछित संदेश जा सके।

चूँकि 2020 के बिहार चुनावों में, काफी कम सीटें होने के बावजूद, भाजपा के साथ बनी गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी वापसी के कारण, नीतीश कुमार को भाजपा को नियंत्रण में रखने के लिये काफी संघर्ष करना पड़ा है।

एन.आई.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनपुट शेयर कर चुका है। उसने बताया कि करीब 7 से 8 लोगों की टीम थी। इनमें दो आई.पी.एस. भी थे।

एन.आई.ए. की तरफ से बताया गया कि कश्मीर घाटी सहित दिल्ली में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के मामले से यह दबिश जुड़ी है। इस मामले में एन.आई.ए. अब तक 28 लोगों को पकड़ चुकी है। साजिश में लश्करे-तैयबा, जैश ए मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन, अलबद्र सहित कुछ संगठनों के तार जुड़े हैं। एन.आई.ए. की टीमों ने इन लोगों के पास से आतंकी हमलों की साजिश से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

अभी भी 63 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं कि आज तक 95.97 करोड़ (एकदम सही संख्या-95,97,88,888) लोगों को टीके लग चुके हैं, जबकि दोनों खुराक ले चुके लोगों की संख्या 76.73 करोड़ (सही संख्या-76,73,20,601) है, जबकि तीसरी प्रीकॉशन खुराक 1,84,90,152 लोगों को दी जा चुकी है।

कोविड-19 से लड़ने के लिये, राष्ट्रव्यापी वैक्सीनेशन अभियान 16 जनवरी, 2021 को शुरू हो गया था।

इस खतरनाक वायरस से संक्रमित हुये लोगों की संख्या 4.28 करोड़ के सरकारी आँकड़े से बहुत ज्यादा हो सकती है क्योंकि अब तक 75.81 करोड़ लोगों के ही टैस्ट हुये हैं तथा अब इन टैस्टों की गति काफी कम हो गई है तथा पिछले 24 घंटों में 12.35 लाख लोगों के ही टैस्ट हुये हैं, जबकि केन्द्र पिछले दो माह से राज्यों से जाँचों की गति बढ़ाने के लिये कह रहा है। शनिवार को दैनिक टीकाकरण भी कम होकर 36.28 लाख रह गया, जबकि केन्द्र का लक्ष्य 1 करोड़ से ऊपर है।

पहले दो चरणों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैर यादव ओ.बी.सी. और अनुसूचित जातियों के गैर जाटव मतदाताओं को आकर्षित किया था और यहाँ की कुल 59 सीटों में से 49 पर उल्लेखनीय विजय प्राप्त कर सफलता पायी थी। गोंडा में आज आयोजित एक रैली में रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मतदाता भाजपा में एक बार फिर अपनी आस्था जताएंगे, जिसने बेहतर कानून-व्यवस्था के जरिए लोगों को "भय" मुक्त किया है और मुफ्त राशन उपलब्ध करवाकर "भूख" शांत की है। जमीनी खबरें संकेत देती हैं कि ओ.बी.सी. और एस.सी. वर्ग के अनुक्रम की छोटी जातियां जहां अब भी भाजपा के प्रति निष्ठावान हैं, वहीं यादवों के अतिरिक्त कूर्मी और मौर्य जैसी प्रभावशाली एवं महत्वाकांक्षी जातियां भाजपा से दूरी बना चुकी हैं। बताया जाता है कि सपा सहयोगी एवं केशव प्रसाद मौर्य के महान दल का इस क्षेत्र में अच्छा खासा प्रभाव है। तीसरे चरण में स्वामी प्रसाद मौर्य की भी परीक्षा होगी, जो हाल ही योगी आदित्यनाथ सरकार से इस्तीफा देकर सपा गठबंधन में शामिल हुए हैं।

तीसरा चरण, सपा गठबंधन और भाजपा दोनों के लिए "करो या मरो" की स्थिति है। पिछले चुनावों में सपा अपने इस गृह क्षेत्र में ही भाजपा के हाथों बुरी तरह हार गई थी।

इसका सीधा सा कारण यह माना जाता है कि मुलायम सिंह यादव के परिवार को तब एक विभाजित परिवार के रूप में देखा गया। इस बार पार्टी के पितृ पुरुष मुलायम सिंह यादव ने हाल ही करहल में आयोजित एक रैली में अपने भाई शिवपाल और पुत्र अखिलेश को एक मंच पर लाकर डैमेज कंट्रोल की कोशिश की।

अखिलेश यादव खरहल से ही चुनाव लड़ रहे हैं। मुलायम सिंह ने अपनी पार्टी का जनाधार यादवों से आगे विस्तृत करने के एक स्पष्ट प्रयास के अन्तर्गत आस पास के क्षेत्रों में भी चुनाव प्रचार किया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908